

**शूकल** पुं. (तत्.) अडियल घोड़ा, जल्दी चौकने या भडकने वाला घोड़ा।

**शूका स्त्री.** (तत्.) शूकवती, केवाँच, कपिकच्छु।

**शूकी** पुं. (तत्.) टूँडदार, रोयें वाला, टूँड वाले अनाज जैसे- जौ आदि 2. नोक, तेज किनारे वाला 3. छोटा नुकीला कांटा।

**शूक्त** पुं. (तत्.) 1. सिरका, खट्टा, अम्लीय, खमीर 2. स्वच्छ, निर्मल।

**शूची स्त्री.** (तत्.) सुई, सूचिका, लोहे से बना पतला नुकीला कुछ लंबा कांटे या तारनुमा एक उपकरण जिसके दूसरे सिरे पर बने छेद में धागा डालकर सिलाई की जाती है।

**शूटिंग स्त्री.** (अं.) 1. फिल्म बनाने में फोटो लेना या छाया चित्रण करना 2. गोली मारना, गोलीबारी, गोलीकांड।

**शूद्र** पुं. (तत्.) 1. हिन्दू वर्ण व्यवस्था में ब्राह्मण आदि चार वर्णों में से एक वर्ण 2. उक्त वर्ण का व्यक्ति 3. हीन कोटि, क्षुद्र, नीच, अधन्य 4. दास, सेवक 5. नैऋत्य कोण में स्थित एक देश

**शूद्रक्षेत्र** पुं. (तत्.) काले रंग की जमीन जिसमें बहुत प्रकार की घास (खर-पतवार) ही उपज सकती है।

**शूद्रता स्त्री.** (तत्.) 1. शूद्र होने की अवस्था, भाव 2. शूद्रत्व, शूद्रपन।

**शूद्रत्व** पुं. (तत्.) शूद्रता, शूद्र होने की अवस्था, भाव।

**शूद्रद्युति स्त्री.** (तत्.) शूद्र वर्ण का रंग, नीलारंग।

**शूद्रा/शूद्राणी/शूद्री स्त्री.** (तत्.) 1. शूद्र वर्ण की स्त्री 2. शूद्र वर्ण के पुरुष की पत्नी।

**शूद्रान्न** पुं. (तत्.) शूद्र वर्ण के व्यक्ति से प्राप्त अन्न या जीविका।

**शूना स्त्री.** (तत्.) 1. कसाई खाना, वधशाला 2. गृहस्थ के घर के चूल्हा, चक्की आदि वे स्थान जहां नित्य अनजाने ही अनेक जीवों की हत्या होती रहती है, चूल्हा, चक्की, झाड़ू, ओखली और जलपान यह शूना के पांच स्थान हैं 2. घंटी 3. अधोजिह्विका।

**शून्य वि.** (तत्.) 1. रिक्त, खाली, जिसमें कुछ न हो 2. निर्जन, सुनसान, एकान्त, सूना 3. निरर्थक, सारहीन बात या कथन 4. जिसका कोई रूप न हो, आकारहीन 5. समासयुक्त पद के अंत में प्रयुक्त जैसे- अर्थशून्य भावशून्य जो 'रहित' का अर्थ देता है 7. आकाश 7. ब्रह्म, ईश्वर, परमात्मा 8. अभाव, अनस्तित्व 9. अभावसूचक शब्द या चिह्न विज्ञान 10. तापमापी, दाबमापी आदि के पैमानों में गणना करने का आरंभ बिन्दु 11. (अंक) ऐसी राशि जिसे दूसरी राशि में जोड़ने या घटाने से योगफल में कोई अंतर नहीं पड़ता 12. एक कर्ण आभूषण, कर्णफूल।

**शून्य करार** पुं. (तत्.+फा.) **वाणि.** 1. ऐसा करार जिसकी कोई वैधता और प्रभाव उस अवधि में न हो, जो करार अभी प्रभावी न हो 2. ऐसा करार जो स्थापित कानून अथवा सरकारी नीति के खिलाफ है, न्यायालय की दृष्टि से निरर्थक करार।

**शून्यकाल** पुं. (तत्.) **सैन्य.शास्त्र** 1. वह समय जब पूर्ण नियोजित आक्रमण अभियान या सैन्य कार्रवाई शुरू की जाए 2. जहाँ से किसी निर्धारित कार्य का समय शुरू होता है 3. राज. संसद में प्रश्न काल और नियमित कार्रवाई के बीच का समय जब सदस्य अति महत्वपूर्ण प्रश्न उठा सकते हैं यद्यपि उन मुद्दों को सदन की कार्रवाई में शामिल नहीं किया जाता।

**शून्य गर्भ वि.** (तत्.) 1. जिस गर्भ में कुछ न हो 2. मूर्ख 3. निस्तार 4. पपीता 5. बांस, नरकुट।

**शून्य चक्र** पुं. (तत्.) योग. सहस्रार चक्र।

**शून्यता स्त्री.** (तत्.) 1. शून्य होने की स्थिति या भाव, शून्यत्व 2. अभाव 3. रिक्तता, खालीपन 4. निर्जनता, सूनापन।

**शून्य दृष्टि स्त्री.** (तत्.) 1. भावहीनता और विचारहीनता की दृष्टि, भावशून्यता की स्थिति 2. लक्ष्यहीनता, उदासीन दृष्टि।

**शून्यपथ** पुं. (तत्.) 1. आकाश 2. निर्जन, सुनसान मार्ग।